जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 32 संख्याः 218 प्रभात उदयपुर, बुधवार 11 जून, 2025 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

प्रियंका गांधी कहाँ हैं आजकल?

पिछले कुछ महीनों से इतनी शांति और चुप्पी क्यों है उनकी तरफ से?

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 जून। पिछले कुछ महीनों से प्रियंका गांधी की ओर से अजीब सी चुप्पी क्यों छाई हुई है, वे एक तरह से एकांतवास में है और संपर्क से दूर हैं।

यह सवाल पार्टी के कोने-कोने में कांग्रेसियों को परेशान कर रहा है

उच्च पदस्थ सूत्रों का कहना है कि प्रियंका गांधी ने कम से कम बिहार चुनावों तक शांत रहने का फैसला किया है और उसके बाद ही अपनी अगली चाल का खुलासा करेंगी।

कुछ लोग मानते हैं कि प्रियंका, राहुल गांधी के करीबी एक वरिष्ठ नेता को अपने पति रॉबर्ट वाड्रा की ईडी संबंधी कानूनी परेशानियों के लिए जिम्मेदार मानती हैं, क्योंकि रॉबर्ट वाड्रा को विभिन्न भूमि सौदों और अन्य मामलों में पूछताछ के लिए बार-बार बुलाया जा रहा है।

प्रियंका को लगता है कि कांग्रेस पार्टी के भीतर के तत्वों द्वारा उन्हें नियंत्रण में रखने और जमीन पर बांधे रखने की साजिश रची गई है।

- उनके नज़दीक के लोगों का कहना है, बिहार के चुनाव तक ऐसा रूप धारण करने का निर्णय लिया है, उन्होंने।
- प्रियंका गांधी की शिकायत है कि राहुल के निकटस्थ सलाहकार (उनका इशारा शायद के.सी. वेणुगोपाल की ओर है) की वजह से ईडी बार-बार उनके पति रॉबर्ट वाड्रा को बुला रही है, पूछताछ के लिए।
- उनके नज़दीकी ग्रुप का यह भी मानना है कि यह एक साजिश है कि दो साल से वे एआईसीसी में महासचिव नियुक्त हैं, पर, बिना किसी जिम्मेवारी के, यानि बिना पोर्टफोलियो के।
- चुनाव के समय उन्हें प्रचार के लिए बुला लिया जाता है। पर, हर महत्वपूर्ण अवसर पर पार्टी उन्हें भूल जाती है। उदाहरण के लिए, अहमदाबाद में आयोजित पार्टी के अधिवेशन में उन्हें नहीं बुलाया गया।
- इन हालात में कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि उनके खेमे वाले लोग भी अब उनका साथ छोड़कर अन्यत्र ठौर ढूंढ़ने लगे है।

कुछ नेताओं का मानना है कि राहुल गांधी के करीबी वरिष्ठ नेता प्रियंका और रॉबर्ट के खिलाफ, राहुल गांधी की सहमति के बिना काम नहीं कर सकते थे, जबकि अन्य का तर्क है कि राहुल अपनी बहन प्रियंका से बहुत प्यार करते हैं। भाई-बहन के बीच प्यार के बावजूद, यह भी एक तथ्य है कि प्रियंका लगभग दो साल से बिना पोर्टफोलियो के एआईसीसी महासचिव रही हैं और उनके अनुसार, यह एक बड़ी साजिश है।

चुनावों के दौरान उन्होंने पार्टी के लिए प्रचार किया है, लेकिन उनकी सक्रियता यहीं तक सीमित रही है। उन्होंने अहमदाबाद में सत्र में भाग नहीं लिया, जहाँ सभी वरिष्ठ नेता मौजूद थे। इससे कार्यकर्ताओं की भौंहें तन गईं थी और कई सवाल उठे जिनके जवाब नहीं मिले।

उनके कई वफादारों और कैम्प वालों ने पाला बदल लिया है और प्रियंका के साथ अपना भाग्य जोड़ने के बजाय, अस्तित्व बनाए रखने और ऊपर की ओर बढ़ने का रास्ता चुना है। यह इंगित करता है कि पार्टी में हवा किस दिशा में बह रही है।

कांग्रेस में यह भी अटकलें हैं कि उनके द्वारा नियुक्त किए गए कुछ सचिवों व अन्य पदाधिकारियों को अगले एआईसीसी फेरबदल में बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा।

पार्टी के एक वरिष्ठ नेता का कहना है कि राहुल खेमे और उनके वफादारों में असुरक्षा की भावना है कि एक सक्रिय और प्रो-एक्टिव प्रियंका उनमें से कई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

साहू आरपीएससी अध्यक्ष, मेहरड़ा कार्यवाहक डीजीपी बने

जयपुर 10 जून। राज्य सरकार ने पुलिस महानिदेशक उत्कल रंजन साहू (यू. आर.साहू) को राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) का अध्यक्ष नियुक्त किया है। इसके साथ ही, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के डीजी डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के पद का अतिरिक्त चार्ज सौंपा है। चूंकि 30 जून 2025 को मेहरड़ा भी रिटायर हो रहे हैं, इसलिए फिलहाल उन्हें यह

- नये पुलिस महानिदेशक के लिए राज्य सरकार ने केन्द्र को पैनल भेजा है। मंजूरी आने के बाद नए मुखिया का नाम तय होगा।

जिम्मेदारी दी गई है। इन दोनों नियुक्तियों के साथ ही, अब प्रदेश में नए पुलिस महानिदेशक बनाने की कवायद भी तेज हो गई है। चर्चाएं हैं कि राजस्थान सरकार ने वरिष्ठता के आधार पर एक पैनल केन्द्र सरकार को भेजा है, और केन्द्र की मंजूरी के बाद राजस्थान पुलिस के नए मुखिया का नाम तय हो सकेगा।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को आदेश जारी कर राजस्थान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जयपुर के 11 युवक बनास नदी में डूबे, 8 की मौत, 3 को बचाया

सभी युवक पिकनिक मनाने आए थे

टोंक, 10 जून। पुरानी पुलिया के पास बनास नदी में डूबने से 8 लोगों की मौत हो गई। घूमने आये 11 युवकों में से तीन युवकों को बचा लिया गया है। मरने वाले सभी लोग जयपुर के रहने वाले थे, जो पिकनिक मनाने आये थे।

पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने बताया कि हादसा मंगलवार दोपहर सदर थाना क्षेत्र के कच्चा बांध, पुराना बनास पुलिया पर हुआ, जिसमें 11 युवक नदी में डूबे थे, हादसे में 8 की मौत हो गई और तीन को स्थानीय लोगों ने बचा लिया है। ये सभी दोस्त पिकनिक मनाने जयपुर से टौंक, बनास नदी पर आये थे। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया कि कुछ युवक नहाने के लिए नदी में उतरे थे और डूबने लगे, इन्हें बचाने के लिए बाकी दोस्त भी नदी में उतर गए और हादसे का शिकार हो गए। सभी की उम्र 25 से 30 साल के बीच है। युवकों के शवों को सआदत हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया गया है। हादसे में नौशाद उम्र 35 साल,

- हादसा कच्चा बाँध, पुराना बनास पुलिया पर हुआ।
- बताया जाता है, इनमें से कुछ युवक नदी में नहाने उतरे और डूबने लगे तो उनके साथी उन्हें बचाने कूदे, वे भी डूबने लगे। इनमें से तीन को बचा लिया गया, बाकी 8 की मौत हो गई।
- सभी युवकों की उम्र 25 से 30 साल के बीच है। शवों को टोंक के सआदत अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है।

कासिम, फरहान निवासी हसनपुरा व रिजवान उम्र 26 साल, निवासी घाटगेट, नवाब खान उम्र 28 साल, निवासी पानीपेच कच्ची बस्ती, बल्लू, साजिद, नावेद उम्र 30 साल निवासी रामगंज बाजार, जयपुर की डूबने से मौके पर मौत हो गई। शाहरुख, सलमान व समीर को वहां मौजूद ग्रामीणों ने बचा लिया।

प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी ट्वीट करके हादसे पर दुख जताया है। साथ ही, जिला प्रशासन को मृतकों के परिजनों को सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। जलदाय मंत्री कन्हैया लाल चौधरी व टोंक विधायक सचिन पायलट, सांसद हरीश मीणा तथा पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह मेहता ने भी इस दुखभरी घटना पर संवेदना जाहिर की है। इसी प्रकार, प्रदेश के ऊर्जा एवं जिला प्रभारी मंत्री हीरालाल नागर ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

राजेश पायलट की "पुष्पांजलि सभा" में कांग्रेस के कई दिग्गज शामिल होंगे

पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने सभा स्थल पर छाया व पानी की व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया

दौसा, 10 जून। जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में बुधवार को राजेश पायलट स्मारक भंडाना व जीरोता में राजेश पायलट की 25 वीं पुण्यतिथि पर पुष्पाजंलि सभा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें कांग्रेस के कई दिग्गजों के शामिल होने की संभावना बताई जा रही है।

आयोजन स्थल पर कांग्रेस नेता सचिन पायलट के निर्देशन में सांसद मुरारी लाल मीना, विधायक दीन दयान बैरवा ने व्यवस्थाओं का जायजा लिया। छाया व पानी की व्यवस्था के साथ ही वीआईपी शामियाना लगा दिया गया है।

साथ ही, सचिन पायलट द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पुष्पाजंलि सभा के लिए निमंत्रण देना चर्चा का विषय बना हुआ है।

पूर्व में कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने स्वयं सभा स्थल पर जाकर व्यवस्थाओं को देखा।

उल्लेखनीय है कि पूर्व केन्द्रीय मंत्री

सचिन पायलट

एवं किसान नेता राजेश पायलट का 11 जून 2000 को एक सड़क दुर्घटना में निधन हो गया था। राजेश पायलट दौसा लोकसभा से पांच बार सांसद निर्वाचित हुये थे और केन्द्र में सड़क परिवहन, दूरसंचार, गृह सहित, अनेक विभागों के काबीना मंत्री भी रहे थे। स्व. राजेश पायलट भारत सरकार में मंत्री रहने के साथ ही, पूर्व में भारतीय वायु सेना में

- पूर्व केन्द्रीय मंत्री राजेश पायलट दौसा से 5 बार सांसद निर्वाचित हुए थे। एक सड़क दुर्घटना में 11 जून 2000को उनका निधन हुआ था।

अधिकारी के पद पर भी रह चुके थे। बताया जाता है कि राजेश पायलट का मूल नाम राजेश्वर प्रसाद बिधूड़ी था, लेकिन 1980 में भरतपुर से लोकसभा का चुनाव लड़ते समय उन्होंने अपना उपनाम बदल लिया तथा राजेश्वर प्रसाद बिधूड़ी से राजेश पायलट के नाम से पहचाने जाने लगे।

गहलोत के निमंत्रण को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। सचिन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नाबालिग को ब्लैकमेल कर शोषण करने वाले को 20 साल की कैद

जयपुर, 10 जून। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत, क्रम-1, महानगर, द्वितीय ने 17.5 साल की नाबालिग को ब्लैकमेल कर उसके साथ कई बार दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त दीपक बारी को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही, अदालत ने अभियुक्त पर 1.30 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी विकास कुमार खंडेलवाल ने अपने आदेश में

- अभियुक्त ने पीड़िता के अश्लील वीडियो बनाए और धमकी देकर दुष्कर्म किया।

कहा कि वर्तमान में ऐसी घटनाएं दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं। यदि अदालत की ओर से ऐसे अपराधियों के प्रति नरमी का रुख बरता गया तो उनके हौंसले बुलंद होंगे।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक मातादीन शर्मा ने बताया कि पीड़िता के पिता ने 3 दिसंबर 2020 को पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें कहा गया था कि 17

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'प्रधानमंत्री ने 11 वर्ष में राजस्थान को केन्द्रीय योजनाओं में 2 लाख 11 हजार करोड़ रू. दिये'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने प्रैस कॉन्फ्रैंस में कहा कि भारत विश्व की उभरती हुई शक्ति बन रहा है

जयपुर, 10 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 11 वर्षों की सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की अद्भुत यात्रा को भारत के लिए प्रगति और गौरव के कल्याणकारी वर्ष बताया। भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत न केवल एक उभरती हुई शक्ति बन रहा है, बल्कि दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर तेजी से अग्रसर है। सन् 2014 से पूर्व भारत चुनौतियों से जूझ रहा था, लेकिन पथ प्रदर्शक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मजबूत संकल्प, अदम्य इच्छाशक्ति और जन-केन्द्रित दृष्टिकोण के साथ भारत की तकदीर और तस्वीर बदल दी।

- मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को एक नई ऊँचाई पर पहुँचाया, पर, यात्रा यहाँ समाप्त नहीं होती। हमें उनके नेतृत्व में और मेहनत करनी होगी, ताकि भारत 2047 तक एक विकसित, समृद्ध और शक्तिशाली राष्ट्र बने।

प्रधानमंत्री मोदी ने न केवल भारत को एक नई दिशा दी, बल्कि इसे वैश्विक मंच पर एक सम्मानजनक और शक्तिशाली पहचान भी दिलाई। आज भारत की आवाज विश्व मंच पर न केवल आदर से सुनी जाती है, बल्कि उसका सम्मान भी किया जाता है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केन्द्र में मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संबोधित किया। इस दौरान प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ भी मौजूद रहे।

कांग्रेस नेता के पूर्व पीए को जासूसी केस में जेल भेजा

जयपुर, 10 जून। शहर की निचली अदालत ने पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किए गए कांग्रेस नेता के पूर्व पीए और सरकारी कर्मचारी शकूर खान को न्यायिक अभिरक्षा में 21 जून तक जेल भेज दिया है।

विशेष थाना पुलिस की ओर से आरोपी को महानगर प्रथम के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया। पीठासीन अधिकारी के

- शकूर खान पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने तथा बिना विभागीय अनुमति के पाकिस्तान जाने का आरोप है।

अवकाश पर होने के चलते, मामले की सुनवाई लिंक कोर्ट के जज हरिमोहन मीणा ने की। विशेष थाना पुलिस ने आरोपी को पीठासीन अधिकारी के समक्ष पेश कर कहा कि प्रकरण में फिलहाल आरोपी से पूछताछ पूरी हो गई है। ऐसे में उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया जाए।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इंडियन एयरफोर्स पाक वायु सेना से बहुत बेहतर है पर चीन यह समीकरण बदल सकता है

इंडियन एयरफोर्स विश्व की सबसे बड़ी वायु सेनाओं में से एक है, और पाकिस्तान से दोगुनी है

-जाल खंताबा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 जून। भारतीय वायुसेना (इण्डियन एयर फोर्स) वास्तव में दुनिया की सबसे सक्षम और सम्मानित वायु सेनाओं में से एक मानी जाती है। आइए देखें कि ऐसा क्यों है, और इण्डियन एयर फोर्स किन किन चुनौतियों का सामना कर रही है।

कर्मियों और विमानों की संख्या के लिहाज से यह विश्व की सबसे बड़ी वायु सेनाओं में से एक है। इसमें 1700 विमान हैं, जिनमें लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर, परिवहन विमान और यूएवी अर्थात मानव रहित विमान शामिल हैं। इसके पास पाकिस्तान की तुलना में दोगुनी विमान संख्या और जनशक्ति है, लेकिन अगर चीन शामिल होता है तो खतरा बढ़ जाता है।

भारतीय वायु सेना शक्तिशाली लड़ाकू विमानों का संचालन करती है, जैसे सुखोई एसयू-30एमकेआई, जो भारतीय बेड़े की रीढ़ है, राफेल, यह उच्च श्रेणी का 4-5 पीढ़ी का मल्टीरोल फाइटर विमान है। मिराज 2000, मिग-29 और स्वदेशी तेजस। हमारी वायु सेना की रणनीतिक क्षमता अद्वितीय है। यह गहराई तक हमले करने में सक्षम है और इसके पास परमाणु हथियार ले जाने की क्षमता वाले विमान हैं। जहाँ तक प्रशिक्षण की बात है, हमारे पास अत्यधिक प्रशिक्षित पायलट हैं। वायु सेना अमेरिका, फ्रांस, यूके और ऑस्ट्रेलिया जैसी वायु सेनाओं के साथ अंतर्राष्ट्रीय अभ्यासों में भागीदारी करती है।

भारतीय वायु सेना तेजी से आत्मनिर्भर बन रही है। तेजस, भारत का स्वदेशी हल्का लड़ाकू विमान, आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है। भारतीय वायु सेना को पाकिस्तान वायु सेना से कमज़ोर मानना वस्तुनिष्ठ तथ्यों के आधार पर सही नहीं है। भारतीय वायु सेना के पास 1700 विमान व 1.40 लाख कर्मी है। वहीं, पाकिस्तान की वायु सेना के पास 800 विमान व 70,000 कर्मी है। भारतीय वायु सेना की क्षमता पाकिस्तान की वायु सेना से दोगुनी है।

- भारत के पास 1700 आधुनिक लड़ाकू विमान और 1.40 लाख कर्मी हैं, वहीं पाकिस्तान के पास 800 लड़ाकू विमान और 70,000 कर्मी हैं।
- भारत में सेना के आधुनिकीकरण में कई नौकरशाही और राजनीति संबंधी चुनौतियां हैं, जिनके कारण वायु सेना के आधुनिकीकरण की प्रक्रिया धीमी है।
- इसके अलावा चीन, पाकिस्तान को आधुनिकतम हथियारों व लड़ाकू विमानों की निरंतर सप्लाई कर रहा है। अगर भारत ने आधुनिकीकरण प्रक्रिया तीव्र नहीं की तो भारत प्राप्त बढ़त कम हो सकती है।

जहाँ तक लड़ाकू विमान का प्रश्न है, भारत के मुख्य लड़ाकू विमान से सु-30 एमकेएल, राफेल, मिराज 2000, तेजस, मिग-29, जेएफ-17 (ब्लॉक्ड सर्वाधिक उन्नत), एफ-16, मिराज थर्ड/फिफ्थ। भारतीय वायु सेना के सु 30एमकेएल और राफेल विमान जेएफ-17 व पुराने एफ-16 की तुलना में श्रेष्ठ हैं।

पाकिस्तान के पास एफ-16 सक्षम हैं, लेकिन उनकी संख्या सीमित है, उसके पास ऐसे 75 विमान है। 3, फोर्स मल्टीप्लायर अर्थात एयरबोर्न वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम (एडब्ल्यूएसीएस) में भारत के पास फाल्कन (इज़रायली), नेत्रा (स्वदेशी) हैं, तो पाकिस्तान के पास साब 2000 एईडब्ल्यू एण्ड सी तथा चीन में बने जैडडीके-03 हैं। इस हिसाब से भारत के पास बेहतर रडार कवरेज और रेंज है। हवा में ईंधन भरने के लिए भारत के पास आईएल-78 एमकेएल बेड़ा है और पाकिस्तान के पास टैंकर विमान बहुत कम हैं।

जहाँ तक चुनौतियों की बात है, भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती पुराने हो चुके विमान हैं। कई विमान (जैसे मिग-21) अब पुराने हो चुके हैं और इन्हें चरणबद्ध तरीके से हटाया जा रहा है। इन पुराने विमानों से कभी-कभी दुर्घटनाएं हो जाती है तथा इनमें रखरखाव की समस्याएं होती रहती हैं। दूसरी चुनौती है, स्क्वॉड्रन, भारतीय वायु सेना 42 स्क्वॉड्रन चाहती है। वर्तमान में लगभग 30-32 स्क्वॉड्रन परिचालन में हैं, इस कमी से दीर्घकालिक संचालन योग्यता पर असर पड़ता है। तीसरी चुनौती है, खरीद प्रक्रिया में देरी होना। नौकरशाही की बाधाओं ने आधुनिकीकरण की प्रक्रिया को धीमा कर दिया है। नए विमानों का समावेश अक्सर योजनाबद्ध समय से अधिक समय लेता है।

इसके अलावा, आधुनिकीकरण के लिए आयात पर निर्भरता बड़ी चुनौती है, "मेक इन इंडिया" जैसे प्रयासों के बावजूद, वायु सेना अब भी उन्नत प्लेटफार्म और तकनीक के लिए विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर काफी निर्भर है।

भारतीय वायु सेना आधुनिक हो रही है और भारत की रक्षा और रणनीतिक प्रतिरोध में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। लेकिन किसी भी सैन्य बल की तरह इसमें भी सुधार की गुंजाइश है, विशेष रूप से बेड़े के आधुनिकीकरण और आत्मनिर्भरता में।

जहाँ पाक वायु सेना की बात है, वह पेशेवर, फुर्तीली और रणनीतिक रूप से सजग है, वहीं, आईएएफ के पास निम्न क्षेत्रों में स्पष्ट बढ़त है, जैसे, बेड़े का आकार और विविधता, उन्नत विमान (विशेषकर एसयू-30एमसेआई और राफेल) स्वदेशी उत्पादन और सहायता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एनसीपी का विलय नहीं हुआ

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली,10 जून। आज, 10 जून को, विलय के बजाय, शरद पवार और अजित पवार के नेतृत्व वाले एनसीपी के दोनों गुटों ने पुणे में पूरी तरह से अलग-अलग स्थापना दिवस कार्यक्रम आयोजित किए, जिससे यह स्पष्ट संकेत मिला कि कोई विलय नहीं हुआ है।

शरद पवार का गुट शिवाजीनगर के बालगंधर्व रंगमंदिर में एकत्रित हुआ,

- स्थापना दिवस पर शरद पवार और अजित ने पुणे में पृथक-पृथक कार्यक्रम आयोजित किए।

जहाँ झंडा फहराया गया और उन्होंने तथा सुप्रिया सुले ने एक रैली को संबोधित किया। इस बीच, अजित पवार के गुट ने बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में अपनी अलग रैली आयोजित की - जिसमें झंडा फहराना, भाषण और महायुति गठबंधन के साथ शक्ति प्रदर्शन भी शामिल था।

दोनों पक्षों ने किसी भी विलय योजना या चर्चा से स्पष्ट रूप से इनकार किया। शरद पवार के गुट ने आगामी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)